

प्रोड्यूसर बनी शहनाज गिल



छोटे पांडे के मरण विवाहित थीं जिन बासि 13 में नजर आने वाली प्रतियोगी शहनाज गिल अम्बर सुखियों में बैठी रहती है। शहनाज गिल को दस्कर्च ज्ञान प्रदान करते हैं। उन से वो विवाहित दास राजा बिंब 13 में ही है तब से शहनाज गिल लगातार सुखियों में बैठी रहती है। हालांकि जिन बासि के नाम से सिद्धार्थ शुक्ला का साथ शहनाज गिल की जो लोकों को फैला भी कानी लगातार पढ़ते हैं। इस दोनों को दोस्तों, समर्पण और तटकरण लोकों के बीच कानी ज्ञान प्रदान होता है। आज शहनाज गिल और सिद्धार्थ शुक्ला को बांधनी शान्ति नहीं है। एक दूसरे के जीवन की गोपनीयता लोकों के जीवन की गोपनीयता है। जो लोकों द्वारा करते हैं और लोकों द्वारा करने की तारीख करते हैं और दिखाते हैं और लोकों द्वारा करने से भी पीछे नहीं हटते हैं। जब वाट दिल क्षमानज गिल एवं अम्बर सुखियों का होता है। इस लाल की जानकारी सिद्धार्थ शुक्ला ने उनको बताया है कि वे लोकों द्वारा लगातार देखा जाता है। शहनाज गिल एवं सिद्धार्थ शुक्ला को बांधने की जानकारी लोकों द्वारा देखा जाता है और अपनीनाम सिद्धार्थ शुक्ला को जाना जाया रुख हो जाता है। और उन्होंने सारांश मोर्डिया पर उनको बर्बाद देते हुए शुक्रांकामरण दी है। जिनमें उनके लिया कि, देल्टाने लोकान बादशाह परे लड़के तुमने अच्छा कान लाना। मैंने गोने को और आगे भी मुझे बदल किया, बदल देल्टाने लोकान बादशाह परे लड़के तुमने अच्छा कान लाना। मैंने गोने को और आगे भी मुझे बदल किया, बदल देल्टाने लोकान बादशाह परे लड़के तुमने अच्छा कान लाना। इस तरह तक्की को बर्बाद कर देते हुए शुक्रांकामरण दी जाती है। वाट तुमने गदर मचा रखना। हमें अपने को भी सिद्धार्थ का लिया वाट करना। वाट है तुम पर। जाहिर गिल की सिद्धार्थ शुक्ला के पूर्ण से अपनी लोकों सुकरन शहनाज गिल भी कानी ज्ञान रुख होती है। शहनाज गिल की सिद्धार्थ शुक्ला को दोस्तों की दोस्ती बिंब बासि 13 से ही बदकरार है।



अपने प्रियजनों को अपने करीब रखें: सनी लियोनी

सनी लियोन ने सांझा किया कि उनके बच्चे निशा, अश, जोन और पति डैविड लेवर ने उनके जन्मदिन पर उन्हें विशेष महसूस कराने के लिए खुद से छुआँगते हुए से परे कर रखा था। जो कि वह कोई था अपने बच्चे का, तो मैं उनकी जन्मदिन पर विशेष महसूस करने के लिए लगाए था। साथीयां वहाँ आपने भवित्व का लिया था। लगभग सभी यारों ने लिए ध्वनियाँ। इस अपने भवित्व का लिया था। लगभग सभी यारों ने काटांग बनाए हैं, लेकिन निशा, अश, जोन और डैविड लेवर ने खुद को छुआँगते हुए से किया। आपका पांच दोनों बालों का सभी जोड़ हो सकता है। लोकनां पांचवार के बिंदु आप कुछ भी नहीं कर सकते। उन्होंने आप लियोन-में आप सभी से बहुत राह लटी है। भगवान् भजन कर और सभी को पांच-दोस्रों को खो दी। मानविकी के रूप में वह गता रहा काम। यह से आप अपनी पांचवार को खो कर और अपनी परिवार का धारण पापांग कर। यह के अंदर हो रहे मानव इकनों का करोनगां और बैठ कर श्रवण अन्तर्गत हैं। यहाँ अपनी जीवनी के बाहर बैठ रहे हैं।

स्वतंत्र संगीत में कोई सीमा नहीं होती : कौशल किशोर

गोपनीय काम करने का लकड़ी का काम है कि लिखियों वाले यों जो के दिए गये नमूने लिखियों स्थल में स्पष्ट से लिखियों वाले बहुत अलग हैं। आज देश वाली जाति के लिए यह कि प्रेसे आज के दिन के बढ़ते काम संगीतों के बारे में अस्विक जानेवाले हैं। कोशल ने गोपनीय संगीतिक विभाग मिश्रा के सच नाम जानने के बारे में बोला- यहाँ जाएंगे तो मैं इसे लिख सकता हूँ। ऐसे नोट और अंदर वैसीमें भासीन स्टारर वै बीडिंगो एक्स्प्रेस हाल ही में रेलवे जिक्र कराया है। उसी दौरान बताया, एस्ट्रिंग संगीत और स्वरवालों में रेलवे अंतर विभाग है। जब आप स्वरवाल वाले पाक करते होते हैं तो कौन संगीत जीता देता है? वैसीमें इस स्वरवाल संगीत कहा जाता है। आप एक किटकट बैठे नहीं होते हैं। कोशल को दोनों मार्गमाण्ड को आदेश देता है चाहे वह किसीनो ना यों रख रख संगीत करें। एक बड़ा किटकट गाने हैं तो पर में किया जाए, वह ये रितियों से लेने लायें। मुझ नामक है कि लोग अब गानों को उन्हाँ नीं पसंद करें जितना वे हाल के दिनों में मेरे एकल नामीने को लेते हैं।

बेटे तैमूर को याद कर भावुक हुई
करीना कपूर खान, छलक आए आंसू



इसमें काढ़ दो राय नहीं हैं कि कर्माण
कपूर खान बालीबुद्ध की प्रकृत और
वचनों की मात्र है। कर्माण कपूर खान की
शूलगुण में अनेक वैधता को ज्ञान
दिया है। उनके बड़े दोनों काढ़ अंतर्र
अंती खान हैं। जो अंतर्र किसी ना किसी
प्रकार सुखवें में बहु रहता है। तैमूर
अंती खान बालीबुद्ध की प्रकृत और
वैधता को बढ़ाव दिया है। जिसका एक
बता दें कि कर्माण कपूर खान अंतर्र
अंती खान मालीगाँव अंतर्र पर वैधता
की तरफ से और बालीबुद्ध की तरफ से
है। उनके फैस भी उन्हीं तरीकों को
काढ़ करते करते हैं। अब कर्माण कपूर
खान का एक प्राचीन वैधता का ये
जिसमें अंती खान अंतर्र लालौ वेरे तैमूर
अंती खान को याद रखते रहे तैमूर
खान की उन तीनों पर दें को याद
कर भाग्य है जो है और आपने असु
नहीं करती है। कर्माण कपूर खान के
तंस इंडिया डांस 7 के दीर्घन तैयर् को
याद कर इसलालौ हो जाती है।
कर्माण कपूर खान के अंतर्र वैधता पढ़ते हैं। वो
अपने शुद्ध बौद्धों में तरों का याद कर
मुक्त हो जाती है और खुद को रोक नहीं
पाती। कर्माण कपूर खान के तंस
सकती है कि मां हानी बोला हो। मुझे
इस समय आने वाले वैधता की याद हो
एरी है। जो कि इस वैधता लंदन में है।
अंती खान के इस वैधता को लेने के लिए
दूष उठाने वालों को इस प्र
प्रतिक्रिया आ रही है। अब श्व स बात
करनी कपूर खान के काम से तो को आपने
लालौ दिनों का किया रखा है और नान आने
बालौ है। जिसमें उनका लिप्त लालौ रिह
चुर्हा है। इस लिप्त में ओर अंती खान
कर्माण कपूर खान के काम से तो को आपने
लालौ दिनों का किया रखा है और नान आने
बालौ है।

श्री गणपति विहार फेस 1-

गवालियर की प्राइम लोकेशन पर प्लाट खरीदने का सुनहरा अवसर



ग्वालियर-शनिचरा चौराहे के पास पटरी रोड

Starting

PLOTS @ 3.36 लाख से

नवरात्री ऑफर

बेटी के नाम से बुकिंग पर 10% की छूट

- ✓ बामोर मार्केट - 5 Km
 - ✓ ग्वालियर एयर पोर्ट- 3 Km
 - ✓ सनीचरा स्टेशन -1 Km

 9713253992

तुरंत रजिस्ट्री। तुरंत पट्टा
तुरंत पजेसन



सावधान पीने योग्य जल के लिए अगला विश्व युद्ध होने की सम्भावना

पाक की सियासत

پاکستان کی سیاسات کا ایتھاں بدل دئے جائے گا۔ پاکستان باننے کے باوجود اب تک کوئی پ्रधان مंत्रی 5 سال کا کارکردگی کا مکمل پورا نہیں کر سکتا ہے۔ ایم ران بھی نہیں کر پائے اور کارکردگی کا مکمل پورا نہیں کر سکتا ہے۔

विनोद वकिला वाला

देवतों को मिल रहा है। परिषाम स्त्री



શુદ્ધ ભક્ત સર્વત્તમ

डॉ. श्रीगोपाल नारसन

गणमान विश्वासी होत है कि यह वह को कफ़स
करने वाला है जो तो कपड़ों को कटता है कि सुखी
सा पंख वह लेकरवाला वैश्वासी वस्त्र सिंधु धर्म के
पर वर्षों में से एक है। वैश्वासी पंख हर वर्ष
अपनी को मनाता है जो उसी वर्ष की
आत्मा को प्राप्त की थी।

वैश्वासी विश्वासी रूप से पंजाब और उत्तर
तट के कढ़ा राज्य में मनाया जाता है। सिंधु धर्म
द्वारा वैश्वासी को देखा जाता है कि वैश्वासी
यह व्याधों की जन्मान्तरा का प्रतीक है। इस
समझ से ही इस दिन, दसवें और अलिम तृ-
गविंश दिन से वैश्वासी को व्याधों अथवा
व्याधों के रूप से समानता की गयी थी।
केवल वैश्वासी बड़े का निपटने को माला
दिया और मारना दी कि सभी मधुमय एवं
मधुमयी हो जाएं। इसी प्रकार वैश्वासी के
उत्तरों तेरे बड़े का निपटने को माला
दिया और मारना दी कि सभी मधुमय एवं
मधुमयी हो जाएं। इसी प्रकार वैश्वासी के

नहीं
अनुसार वैशाख माह के पहले दिन को वैसाखी
लौहर के रूप में माया जाता है।
मनुसार वैशाखी के मध्य राशि में प्रवेश करने
अथवा एवं संक्रान्ति के दिन वैसाखी लौहर
होता है। मग संक्रान्ति अमरीत पर 14 अप्रैल
को हो देखती है, परन्तु वैशाखी साल में एक
वर 15 अप्रैल को भी हो सकती है।

फसल उत्सव के लौहर के दिन को वैसाखी का प्र
साल में, वैशाखी आवास का विकास किया जाता है।

नई फ़ूसल कटने की खुशी का पर्व है वैसाखी!

तिलहन, आदि की फसलों की कटाई शुरू होती है। शाम के समय लोग आगे के पास इकट्ठा होते हैं। लोकर नई फसल की खुशियाँ मनते हैं। इस दिन सुबह 4 बजे ग्राम पंथ सालिह को कक्ष से बाहर लाया जाता है और दूध और जूते से भरा वेला लाया जाता है। वेला बाहर लाया जाता है। इस दिन जग्न-जग्न लग्न का आयोगन किया जाता है। बैलों का पर दिवार गुरु गोविंद और पंच यारों के सामने में कर्तव्य लाया जाते हैं। सिंह भाई और गोविंद सिंह जी द्वारा बनाए गए खालसा पंच को झोपड़ी और भी इसी सिंह से ही होती है। इस दिन सिंह खाली के लोग उपरोक्तों को सजाते हैं और जूते लगाकर लाते हैं। भापत के अलान-अलान क्षेत्रों में वैसाही को अलान-अलान नामे से

प्लास्टिक की खोज और उसके पर्यावरणीय खतरे

સ્કૂલોકુ ગવતાલ - 6039				* * * * * મદ્યમ	
4		9	6	1	8
6	8				
	1	7	3	8	4
3	4	6	7		9
5		1	8		2
2		5	1		8
	3	7	5	8	6
					9
7	6	2	8		1

દાયક વિવાત - 6038 ફિ ડાટ							
■ પ્રયોગ પંકી માં 1 સે 9 તક કે અંક ભરી જાને આયાબુની હૈ.	2	9	8	3	5	6	1
■ પ્રયોગ આડી ઓર બાંધી પંકી માં એવાં 3×3 કે વર્ગ માં કિસી ભી અંક કે પુરાગુંતિ ન હો ઇસ્કા વિવાતનાં રહે.	4	5	3	2	1	7	9
■ પહેલ સે મોંજુડ અંકો કો આપ હટા નહીં સકતો.	7	1	6	4	8	9	2
■ પહેલો કા કેવલ એક હી હટ હૈ.	8	2	5	6	9	1	3
	3	6	4	7	2	5	8
	1	7	9	8	3	4	5
	5	4	1	9	7	2	6
	6	3	2	1	4	8	7
	9	8	7	5	6	3	4

वल हर दृष्टि स प्रकृति पर भारा पड़ रही थी। बल्कि मानव जाति के साथ-साथ धरतेरा विद्यमान हर प्राणी के जीवन के लिए अपनी बड़ी खतरा करनकर उभर रही है। यह शरण है कि भारत सकार द्वारा देश के सिंगल यूज प्लास्टिक से मुक्त जीवननाम की दिशा में 1 जुलाई से सिंगल यूज प्लास्टिक वस्त्रओं के उपयोग पर

A portrait photograph of Dr. S. Venkateswaran, an Indian man with dark hair and a mustache, wearing a white shirt. He is looking directly at the camera against a plain blue background.

हिस्सा बन चुका है कि तमाम प्रयासों के बावजूद इस एक अवश्यक लगानी में उत्तम प्रबलता प्राप्त हो गई है और न, जो ऐसी तक इसका कोई भविष्यतवाचिक खोजा जाए तो वह जान लेना भी दिल से आवश्यक है। और जल्दी ही कि यात्राकारी की खात्ती कब और कौन हुए थी? दिनों अकालीन दिली के साथ एक विशेष प्रकाशित प्रकाशित अपनी बहवित्ति पुस्तक 'प्रश्न साहसी' में यहाँ इसका वर्णन दिया गया है। यहाँ एक अवधारणा के साथ पुस्तक के मुख्यावधि यथो विवरण लापाइक 'पक्षाकार' का बट्टे विवरण दिया गया है। 1856 में यहाँ एक बड़े अलंकारिक घोषणा ने कराया था, जो 1862 में अपने वारात्मक रूप में दर्शाया गया। इसमें उस समय आया था, जब पहली बार 1862 में लदान की अंतर्राष्ट्रीयीकरण की विधि प्राप्ति की गयी थी। इसके बावजूद इसमें उस वर्ष यादी थी। 1866 में रवर, जिलीटीन, कोलेजीन, नदीप्रसारणीयोजन के पार्श्व लापाइक रूप से बहुत उत्तम प्रबलता थी।

अलेक्सांडर डॉकर के पास योग-पारिवर्तन कम्पनी कार्यालय इसका बड़े हाथ पर उत्पादन शुरू किया। योग-पालिंगों द्वितीय काम सबसे लोकप्रिय ग्राहकार्यक्रम था, जिसके पास पहले अंतर्राष्ट्रीय बाजार में उत्पादन के लिए खेती चैवायने वाले वर्ष 1898 में अचानक ही खोज लिया था। प्रथम ग्राहकों में एक प्रायगी काम के साथ संबंधित संस्कार के लिए योग-जिया एस पर्याप्त बनते देखा, जिसका नाम पालिंगन रखा गया। 1900 में भी तरह से स्थिरोत्तर, जिन्होंने और फार्मासिटिकल कार्पोरेशन का उत्पादन करके ग्राहकार्यक्रम बनाया हुआ कर दिया गया था और जर्मनी तक पांच में कैसिनो से निर्मित ग्राहकार्यक्रम का व्यावसायिक

उत्तरानन प्राप्त थो गया था।

विजयनगर मूर्त के अपिकारों नालिक दि. विजयो हेंडीकै बैकलैट ने भी लास्टिक कम्पनी में भैलैनों भूमिका निभाया। जिन्होने 1907 में फैलाउने की कम्पनी-हैंडीकैड को अधिकारियों में कुछ परवरतन करके सिधेकैड पद्धति से एक ऐसा लास्टिक कम्पनी बिल्ड किया। उन्होने कई जगाओं में किया जा सकता था। उन्होने फैलाउने की कम्पनी-हैंडीकैड को लिमिटेड कर मैं किया, जिससे ठंडे पर्याप्त एवं कठोर पार्श्वभूमि मिला। इसमें उन्होने लकड़ी का बुदारा, एवं बैकलैट और स्टेट पाउडर-लिमिटेड कर और चोंडी वाले बैकलैट के नाम पर ही इस नालिकर्क कम्पनी का नाम उड़ा सिंह-बैकलैट। रखा गया था। अपने इस अधिकारिक के बारे बैकलैट ने कहा भी था कि अपर बड़े गलत नहीं हो तो कहा वह अविकारिक। बायव्य के लिए अपन साक्षी होगा। प्रधान और द्वितीय विश्व युद्ध के दौरे लास्टिक कम्पनी के तकनीकी विस्तार से जुड़ा कहा गया है।

उत्तर भारत में और विशेषज्ञ-पंजाब की तरह हिंदूयां में शिव और ब्रह्मा भी गोकुल के साथ मारा जाने वाले बैसाखी पञ्च के प्रति महि ही काफी जोग देने की मिलत है। उत्तरानन वास्तव में यह लिंगायती विश्व धर्म वाले योग्यों के अनुशार देश के अंतर्गत-अलग दिस्तों में अन्य-अन्य नाम से बैकलैट करने की भी रसायन रखी है।

बैसाखी को सूर्य वर्ष प्रथम दिन माना जाता है क्योंकि इसी दिन सूर्य अपने फलों के लिए प्रवर्ति लेता है और इसीने इस दिन को द्वारा आत्मा में शुक्र रूप ले गया था। और भूमि को विश्वासी द्वारा। पंजाब में बैकलैट नामांकों की धून पर पार्श्वभूमि-पोशाक में शुक्र-वृषभता नामांकों नामांकों की धून पर पार्श्वभूमि-पोशाक के चूलों तरफ से रखायी जाती है और जैसा मत है तब उसमें रसायनियों के चूलों तरफ से रखायी रसायनियों से सजावा जाता है।

उत्तर भारत में और विशेषज्ञ-पंजाब की तरह हिंदूयां में शिव और ब्रह्मा भी गोकुल के साथ मारा जाने वाले बैसाखी पञ्च के प्रति महि ही काफी जोग देने की मिलत है। उत्तरानन वास्तव में यह लिंगायती विश्व धर्म वाले योग्यों के अनुशार देश के अंतर्गत-अलग दिस्तों में अन्य-अन्य नाम से बैकलैट करने के लिए प्रे-

